प्रधानमंत्री द्वारा मॉरीशस में ईबेनी साइबर टावर्स का उद्घाटन

1 अप्रैल, 2005

मॉरीशस

प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह ने आज मॉरीशस में ईबेनी साइबर टावर्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा :

“मॉरीशस में होना मेरे लिए बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है। आपके खूबसूरत द्वीप देश के प्राकृतिक सौंदर्य और बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की यहां पर उपस्थिति ने मेरी मॉरीशस यात्रा को सही मायनों में एक यादगार यात्रा बना दिया है। मैं और मेरे प्रतिनिधिमंडल के सदस्य जिस दिन से मॉरीशस पहुँचे, हमें आपके द्वारा किए गए स्वागत में आपका स्नेह महसूस हुआ है जो हमारे दोनों देशों के बीच सदियों से चली आ रही मित्रता, सहयोग और आपसी समझ की अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूँ और साथ ही समूचे भारत राष्ट्र की ओर से शुभकामनाएं और सद्भावनाएं व्यक्त करना चाहता हूँ।

मॉरीशस अपने नागरिकों को मानव संसाधनों का एक बड़ा खजाना मानता है। राष्ट्र निर्माण में उनके अथाह योगदान से मॉरीशस एक जीवंत समाज और फलती-फूलती अर्थव्यवस्था वाले एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में उभरकर सामने आया है। हमें हर क्षेत्र में आपकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए आप पर गर्व है जिसकी बदौलत आपने मॉरीशस के भाग्य का निर्माण किया है और औपनिवेशिक काल के उपरांत अत्यन्त सफल विकास गाथा लिखी है। आपने बहुलवादी तथा गणतांत्रिक मॉरीशस के निर्माण में विभिन्न भाषाओं, विभिन्न धर्मों और विभिन्न जातीय समूहों के विविध संसाधनों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। आपकी इस उपलब्धि के लिए हम आपको नमन करते हैं। दुनिया मॉरीशस की उस अद्वितीय व्यक्तित्व को सलाम करती है जो विकास और सामाजिक सद्भाव के नये अध्याय के निर्माण के लिए नस्लों, धर्मों और संस्कृतियाँ और मिलकर काम करने वाले सभी लोगों के सद्भावनापूर्ण सह-अस्तित्व का एक सुंदर मिश्रण है।”

ईबेनी साइबर टावर नये मारिशस के साथ, नये भारत के नये रिश्ते का प्रतीक है। यह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक है और मैं मारीशस की सूचना प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में शुभारंभ की घोषणा करता हूँ। यह साइबर टावर बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग और सॉफ्टवेयर समाधानों के विकास के लिए अथाह अवसर उत्पन्न करेगा। मैं मारिशस के माननीय राष्ट्रपति सर अनिरूद्ध जगन्नाथ और प्रधानमंत्री श्री पॉल बेरंगर को उनके सपनों को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए बधाई देता हूँ। उनका विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास में एक बड़े निवेश (इनपुट) के रूप में इस्तेमाल करने पर जोर देना सही मायने में दूरदर्शितापूर्ण कार्य है जिसके परिणाम यहां दिखाई देने लगे हैं। मारिशस की जनता की बहुभाषी योग्यता न केवल इंग्लिशभाषी दुनिया अपितु फ्रांसिसी भाषा बोलने वाले उपभोक्ता वर्ग की आउटसोर्सिंग मार्केट का उपयोग करने के लिए एक अमूल्य परिसंपत्ति साबित होगी।

हम भूमंडलीकरण के युग में रह रहे हैं और एक ऐसे युग जहां व्यापार के मार्ग की रूकावटें बड़ी तेजी से कम होती जा रही हैं। इस युग में व्यापार के पिछले संबंध बड़ी तेजी से बदल रहे हैं और परंपरागत व्यापार के क्षेत्र उसी के अनुरूप तेजी से समायोजित होते जा रहे हैं ताकि क्षितिज पर उभरती नई अपेक्षाओं और नये अवसरों को पूरा किया जा सके। व्यापार संबंधों में इस गतिशीलता को देखते हुए राष्ट्रों के पास सुरक्षित बाजारों और अस्थायी निर्यात सुविधाओं का लाभ नहीं है। तो सभी राष्ट्रों के सम्मुख ज्यादा प्रतियोगात्मक बनने के लिए, ज्यादा आधार संपन्न बनने के लिए, ज्यादा कुशल व ज्यादा लचीला बनने के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं की पुनर्चना करने की चुनौती है ताकि उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सके। मेरा मानना है कि जैसे-जैसे विश्व अर्थव्यवस्था और अधिक एक-दूसरे से जुड़ती जाएगी तो यह साझा दृष्टिकोण ही देशों के बीच सहयोग का आधार बनेगा।

मॉरीशस ने इस नई व्यवस्था में अपनी अर्थव्यवस्था की पुनर्चना करने और उसे नया रूप देने हेतु प्राथमिकता दी है। हम भी नई चुनौतियों का सामना करने हेतु भारत की अर्थव्यवस्था को नया रूप देने के लिए निरन्तर काम कर रहे हैं। उदारीकरण और सुधारों की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए आपने अपने तरीके से जो हासिल किया है वह एक सफल गाथा है जिसका पूरी दुनिया सम्मान करती है। आर्थिक उदारीकरण के संदर्भ में आपने जो कुछ हासिल किया है वह एक सफल कथा है जिसे दुनिया मानती है। यह इस संदर्भ में ही है कि हमारे आर्थिक सहयोग को बढ़ाने और इसे नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए सूचना व प्रौद्योगिकी का क्षेत्र एक उत्कृष्ट प्लेटफार्म का काम करता है। पिछले दो दशकों में सूचना व प्रौद्योगिकी और ज्ञान-आधारित क्षेत्र का भारत में जबर्दस्त विकास हुआ है और ये हमारी विकास प्रक्रियाओं में बड़ा योगदान करते रहे हैं। इन क्षेत्रों का निर्माण हमारी स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर आज तक बने गहन कौशल आधार-स्तंभों के आधार पर हुआ है। हमें उम्मीद है कि ये भारतीय अर्थव्यवस्था के रूपान्तरण में अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे। हम भविष्य के बड़े विकास इंजन के रूप में सूचना व प्रौद्योगिकी क्षेत्र का विकास करने में मॉरीशस के प्रयासों में उसे योगदान देते रहेंगे और मजबूत बनाते रहेंगे। आज मैं जिस उद्यम का उद्घाटन कर रहा हूँ ऐसे ही सहयोगात्मक उद्यमों के जरिये दोनों देशों की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के चुनौतीपूर्ण प्रयास को अर्थ तथा संतोष मिलता रहा है।

इस संदर्भ में ईबेनी साइबर टावर मात्र पहला कदम है। मुझे बताया गया है कि अभी ऐसे और भी टावरों और परिसरों के निर्माण की योजनाएं हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि हमें इस क्षेत्र में और अधिक सहयोग देने का इंतजार रहेगा ताकि दोनों देश हमारे आर्थिक संबंधों को और भी ऊँचाइयों पर ले जा सकें, ऐसी ऊँचाइयों पर जो वास्तविक नेटवर्क और व्यावसायिक संबंधों के जाल से जुड़ी हों।

राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी की पूर्ण क्षमताओं को काम में लाने की आवश्यकता होती है। इस महत्व को पहचानते हुए प्रधानमंत्री पं० जवाहरलाल नेहरू ने एक आधुनिक भारत के लिए एक नई वैज्ञानिक मानसिकता की नींव रखी जिसके लाभ आज हमारा देश ले रहा है। मुझे खुशी है कि वही प्रक्रिया इस महान देश में भी जारी है और मैं मॉरीशस के उस विवेकशील नेतृत्व को बधाई देता हूँ जो परिवर्तन के इस चरण को पूरा करने में मॉरीशस का नेतृत्व करता रहा है। प्रौद्योगिकी एक बहुत बड़ी उद्धारक होती है क्योंकि जो असंख्य लोगों को

विकास की प्रक्रिया में शामिल होने और उससे लाभ उठाने का अवसर प्रदान करती है। आज की वैश्विक दुनिया में प्रौद्योगिकी समेकन करने वाला बल भी है जो बाजार और निर्माता को साथ लाता है और भौगोलिक दूरी की बाधाओं और प्राकृतिक संसाधनों के अभाव को दूर करता है। भूमंडलीकरण नई ताकतों और नई क्षमताओं की मांग करता है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भारत इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह मॉरीशस के साथ खड़ा है।

नई और आधुनिक प्रौद्योगिकियों में हमारी रणनीतिक भागीदारी हमारे युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के लिए नए अवसर प्रदान करेगी और हमारे दोनों देशों में विकास की प्रक्रिया को तेज करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश ने विज्ञान व प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के स्तर को बढ़ा दिया है और हमें डिजिटल क्षेत्र में सच्चा भागीदार बना दिया है।

जहां एक ओर उन्नति के लिए आवेग उत्पन्न करने हेतु सूचना व संचार प्रौद्योगिकियों की सुविधाओं की स्थापना महत्वपूर्ण है वहीं इसके साथ-साथ, अन्य क्षेत्रों में भी क्षमताओं का निर्माण किया जाना चाहिए। इसमें सर्वोत्तम अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शैक्षिक व प्रशिक्षण सुविधाएं सम्मिलित होनी चाहिए। यह अत्यावश्यक है क्योंकि आज किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके मानव संसाधनों की गुणवत्ता पर काफी कुछ निर्भर करती है। इस संबंध में मॉरीशस भारत के सहयोग के प्रति आश्वस्त हो सकता है। आइये, हम सब मिलकर भारत और मॉरीशस को इस खोज में सच्चे भागीदार बनाएं।

मैं अपना भाषण समाप्त करने से पहले यह उल्लेख करना चाहता हूँ कि यह एक ऐसी परियोजना है जिसे मॉरीशस के समस्त नेताओं की सद्भावनाओं का भरपूर लाभ मिला है। मैं मॉरीशस के प्रधानमंत्री श्री बेरंगर का आभार व्यक्त करता हूँ कि वे आज यहाँ हमारे बीच आए। मैं उन्हें धन्यवाद भी देता हूँ कि उन्होंने इस उद्घाटन समारोह के लिए मुझे आमंत्रित किया। मैं जानता हूँ कि राष्ट्रपति श्री जगन्नाथ ने इस साइबर टावर की आयोजना से लेकर इसके निर्माण तक इसे अपना पूरा सहयोग प्रदान किया है। इस परियोजना की संकल्पना वर्ष 2000 में की गई थी जब डॉ० रामगुलाम मॉरीशस सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। इसलिए मैं उन्हें भी इस परियोजना के शुरुआती दिनों में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ। साथ ही मैं मॉरीशस के सभी बड़े व विवेकशील नेताओं का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

इन शब्दों के साथ ही मैं यह नया साइबर टावर मॉरीशस की प्रेमी जनता को समर्पित करता हूँ। मेरी कामना है कि यह टावर हमारे दोनों देशों के बीच अनेक सफल प्रयासों का सदन बने।

जय मॉरीशस, जय हिन्द ।”